www.avadhkaawaz.com

अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–10 अंक–120 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ रविवार 1 अगस्त 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

दुर्व्यवस्थाओं से गोवंश की मृत्यु हुई तो होगी कठोर कार्रवाईः मुख्यमंत्री

लखनऊ, (वेबवार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कोविड–19 प्रबंधन टीम की बैठक में कहा कि प्रदेश के सभी गो–आश्रय स्थलों में व्यवस्था सुचारू रखी जाए। हरा चारा–भूसा आदि के समुचित प्रबंध हों।

यदि दुर्व्यवस्थाओं के कारण किसी गोवंश की मृत्यु होती है, तो संबंधित अधिकारी तथा कर्मचारी के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाय। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बेसिक, माध्यमिक, उच्च, प्राविधिक और व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों में जिन छात्रों को अगली कक्षा में प्रोन्नत किया जाना है, इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही की जाए। कोरोना की स्थिति को देखते हुये नवीन सत्र को प्रारंभ करने के संबंध में कार्ययोजना तैयार की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मरीजों की जरूरत पर तुरंत एम्बुलेंस की उपलब्धता होनी चाहिए। इसमें लापरवाही हुई तो सेवा प्रदाता के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई होगी। किसी भी दशा में मरीज अथवा उनके परिजन का उत्पीड़न न हो। जिलाधिकारी अपने जिलों में एम्बुलेंस संचालन की व्यवस्था पर सतत नजर बनाए रखें। मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने बताया कि जनपद अलीगढ़, अमरोहा, एटा, हाथरस, कासगंज, कौशाम्बी, महोबा, मुरादाबाद और श्रावस्ती में अब कोविड का एक भी मरीज शेष नहीं है। यह जनपद आज कोविड संक्रमण से मुक्त हैं। इस स्थिति को और बेहतर करने के लिए ट्रेस, टेस्ट और ट्रीट की नीति के अनुरूप सभी जरूरी प्रबंध किए जाएं। अधिकारियों ने बताया कि विगत दिवस किसी भी जिले में दोहरे अंक में नए केस की पुष्टि नहीं हुई। 55 जिलों में संक्रमण का एक भी नया केस नहीं पाया गया, जबकि 20 जनपदों में इकाई अंक में मरीज पाए गए। वर्तमान में प्रदेश में एक्टिव कोविड केस की संख्या 712 है। अधिकारियों ने बताया कि ट्रेसिंग, टेस्टिंग और त्वरित ट्रीटमेंट के मंत्र से अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। पिछले 24 घंटे में 02 लाख 51 हजार 265 कोविड सैम्पल की जांच की गई और 32 नए मरीजों की पुष्टि हुई, जबकि 48 मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए। इस अवधि में पॉजिटिविटी दर 0.01 प्रतिशत रही। प्रदेश में कोरोना की रिकवरी दर 98.6 प्रतिशत है। 452 लोग घर पर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। अब तक 16 लाख 84 हजार 973 से अधिक प्रदेशवासी कोरोना संक्रमण से मुक्त होकर स्वस्थ हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड की तीसरी लहर की आशंका देखते हुए सभी जरूरी प्रयास यथाशीघ्र पूरी की जाए। बच्चों की स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से पीकू व नीकू की स्थापना की कार्यवाही तेज हो। अधिकारियों ने बताया कि अब तक केवल मेडिकल कॉलेजों में पीडियाट्रिक आईसीयू व आइसोलेशन बेड की संख्या 6572 से अधिक हो गई है। सीएम ने कहा कि सभी जिलों में इस कार्य को शीर्ष प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसकी दैनिक समीक्षा भी की जाय। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में कोविड टीकाकरण का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। विगत दिवस 08 लाख 21 हजार 468 लोगों ने टीका–कवर प्राप्त किया। अब तक उत्तर प्रदेश में 04 करोड़ 76 लाख 22 हजार से अधिक कोविड वैक्सीन लगाए जा चुके हैं। 04 करोड़ लोगों ने कम से कम कोविड की एक खुराक ले ली है। यह किसी एक राज्य द्वारा किया गया सर्वाधिक वैक्सीनेशन है। कोविड वैक्सीनेशन को और तेज करने की आवश्यकता है, इसके दृष्टिगत भारत सरकार से सतत समन्वय बनाए रखा जाए।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा प्रदेश को अतिशीघ्र पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे का उपहार मिलने जा रहा है। इसी प्रकार, गंगा एक्सप्रेस–वे के लिए अब तक 6,572 हेक्टेयर (90 फीसदी से अधिक) भूमि क्रय कर ली गई है। इसके एवज में 6,189 करोड़ का भुगतान किया गया है। इतना भुगतान स्वयं में एक रिकॉर्ड है। भूमि अधिग्रहण की यह प्रक्रिया निर्विवाद ढंग से संपन्न हुई है। इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए भूमि उपलब्ध कराने में स्थानीय किसानों और प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका सराहनीय रही है। इसके अवशेष कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए।

कोरोना काल में दिवंगत पत्रकारों के परिजनों को योगी सरकार ने दी 10 लाख रुपये की सहायता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना काल के दौरान अपनी जान गंवाने वाले पत्रकारों के परिजनों को योगी सरकार ने 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की है। शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सहायता राशि का वितरण किया। इस मौके पर अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल ने कहा कि जिन लोगों के आवेदन देर से प्राप्त हुए हैं। उन्हें भी आर्थिक सहायता दिलाई जाएगी। इस अवसर पर मुख्य सचिव आरके तिवारी, अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी, प्रमुख सचिव सूचना संजय प्रसाद व निदेशक सूचना शिशिर भी मौजूद रहे।मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार मृत्युंजय कुमार, सूचना विभाग के सलाहकार शलभ मणि त्रिपाठी, रहीस सिंह व मुख्यमंत्री के ओएसडी अभिषेक कौशिक भी मंच पर मौजूद रहे।

भारतीय खिलाड़ियों के उत्साह वर्धन के लिए युवा मोर्चा द्वारा ग्रीनपार्क पार्क स्टेडियम में सुबह रनिंग

अवध की आवाज ब्यूरो

कानपुर। शनिवार को **Cheer4india** अभियान के तहत टोकियो ओलंपिक प्रतिभागी भारतीय खिलाड़ियों के उत्साह वर्धन के लिए युवा मोर्चा कानपुर उत्तर के द्वारा ग्रीनपार्क पार्क स्टेडियम में शनिवार को सुबह रनिंग की गई जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में जिलाध्यक्ष सुनील बजाज उपस्थित रहे।

भाजपा कानपुर महानगर उत्तर जिलाध्यक्ष सुनील बजाज ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा की युवा मोर्चा के साथियों को ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे।

खिलाड़ियों से प्रेरणा लेनी चाहिए व निरंतर समाज को व शरीर को स्वस्थ रखने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए। जिला अध्यक्ष सुनील बजाज ने कहा कि हमारे देश के खिलाड़ी निश्चित रूप से ऊर्जावान हैं और हमारे देश का मान है हमें उनके उत्साह वर्धन के लिए सदैव आगे रहना चाहिए जिससे कि वह पूरे विश्व में भारत का परचम लहराए युवामोर्चा अध्यक्ष नवाब सिंह ने बताया की प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा प्रांशु दत्त दुवेदी के आवाहन पर ओलंपिक में गए खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन के लिए युवा मोर्चा के द्वारा **cheer4india** अभियान चलाया जा रहा है युवामोर्चा आगामी युवा मोर्चा निरंतर फिजिकल एक्टिविटी करेगा व मीडिया तथा सोशल मीडिया के माध्यम से खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन

6 तारीख तक खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन हेतु नित्य खिलाड़ियों जैसी एक्टिविटी करेंगे रोज सुबह जल्दी उठना,वार्किंग,रानिंग, साइक्लिंग, वेटलिफ्टिंग आदि। इसी कड़ी में आज 29 जुलाई को वार्किंग की गई आगामी 31 जुलाई को रनिंग इसी प्रकार आगामी 6 अगस्त तक करेगा कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शशांक राजावत शिवांग मिश्रा रचित पाठक नितिन पाल नितिन त्रिपाठी कौशलेंद्र परिहार हर्षित श्रीवास्तव रोहित जयसवाल गोलू बाजपेई जितेंद्र शर्मा (राजू शर्मा) दिव्यांशु शर्मा राहुल सिंह आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

भीख मांगने वाले पांच बच्चे बचाए

अवध की आवाज कुलदीप

कानपुर नगर। चौराहों पर बच्चों से भीख मंगवाने वाले गैंग के चंगुल से फजलगंज पुलिस ने पांच बच्चों को बचा लिया। फजलगंज पुलिस और एएचटीयू द्वारा की गई संयुक्त कारवाई में सभी का मेडिकल परीक्षण कराकर बाल संरक्षण गृह में भेज दिया गया। शनिवार को विजय नगर चौराहे पर पांच बच्चे भीख मांगते हुए दिखाई दिए। इस पर पुलिस की एएचटीयू शाखा और थाना फजलगंज पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए पांचों बच्चों को गैंग के चंगुल से बचा लिया। बच्चे विजय नगर चौराहे पर रेड लाइट होने की वजह से रूके हुये वाहनों के चालकों से पांच वच्चे भीख मांग रहे थे । सभी बच्चों को बाल संरक्षण गृह भेज दिया गया है। पुलिस बच्चों से भीख मंगवाने वाले गैंग का पता कर रही है और साथ ही बच्चों के माता–पिता से सम्पर्क करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस कमिश्नरेट द्वारा लगातार भीख मांगने वाले बच्चों को गैंग के चंगुल से बचाने का प्रयास किया जा रहा है। जो भी बच्चे बचाये जा रहे है उनकी शिक्षा–दिक्षा आदि का प्रबन्ध पुलिस विभाग द्वारा किया जा रहा है।

लखनऊ,। बुद्धेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में सीता कुंड के शिलान्यास के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता आदरणीय नीरज सिंह जी ने बुद्धेश्वर महादेव मंदिर का गुणगान करते हुए पूर्व में स्मृति शेष सुरेश कुमार श्रीवास्तव विधायक को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री माननीय आशुतोष टंडन गोपाल जी. लखनऊ के प्रथम नागरिक माननीय संयुक्ता भाटिया जी. कैंट विधानसभा के विधायक माननीय सुरेश तिवारी जी. लखनऊ महानगर के अध्यक्ष मुकेश शर्मा जी. प्रदेश मंत्री शंकर लाल लोधी जी. पूर्व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अतुल दीक्षित जी. लखनऊ महानगर उपाध्यक्ष आनंद द्विवेदी जी. अनुराग मिश्रा अन्नू जी. लखनऊ विकास प्राधिकरण के वीसी त्रिपाठी जी. कार्यक्रम के आयोजक राम शंकर राजपूत जी. यू एन पांडे जी .सौरभ श्रीवास्तव जी. सभी मंडल अध्यक्ष गण. पार्षद गण. एवं भारी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रहे लोकप्रिय विधायक शशांक वर्मा

अवध की आवाज

निघासन खीरी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में गांवों से चुनें गये प्रधान व बीडीसी सदस्यों का शनिवार को शपथग्रहण व सम्मान समारोह का आयोजन ढखेवा रोड़ स्थित जैपी पैलेस में किया गया।जिसमें नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान क्षेत्र पंचायत सदस्य और जिला पंचायत सदस्यों का माल्यार्पण कर

अंगवस्त्र भेंट स्वागत किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर क्षेत्रीय विधायक शशांक वर्मा मौजूद रहे वहीं नवनिर्वाचित सदस्यों को शुभकामनाएं दी।इस दौरान विधायक ने केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं से लोगों को रूबरू कराया सरकार की नीतियों पर चलने के लिए व बिना भेदभाव से कार्य करने को कहा। वहीं विनोद लोधी ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की बहुत सारी योजनाएं खुशहाली के लिए चल रही है सुरक्षा व्यवस्था पूरे प्रदेश में चाक–चौबंद है सरकार बिना किसी भेदभाव के हर वर्ग के लिए कार्य कर रही है।इस दौरान विधायक शंशाक वर्मा,विनोद, प्रधान प्रतिनिधि ध्रुव कुमार वर्मा, कन्हैया लाल वर्मा, दिनेश वर्मा,प्रधानप्रतिनिधि सोनू पाण्डेय, रामऔतार राज, इकराम हुसैन, सद्दाम हुसैन, दीपक जयसवाल, दरवेश यादव, सहित अन्य प्रधान, बीडीसी व भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अवध की आवाज ब्यूरो

दिनांक 31 जुलाई 2021 को भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता आदरणीय नीरज सिंह जी चित्रगुप्त नगर वार्ड की पार्षद अंकित रुचिता मिश्रा के आवास पर जाकर कुशल क्षेम जाना इस अवसर पर उनके साथ भारतीय जनता पार्टी लखनऊ महानगर के उपाध्यक्ष आनंद द्विवेदी हर्षवर्धन सिंह टिंकू सोनकर अंकित पांडे शिवेंद्र साही अभिषेक तिवारी बख्शी का तालाब के चेयरमैन अरुण सिंह गप्पू के अतिरिक्त कई कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे।

बलिया में सर्पदंश की अलग–अलग घटनाओं में बच्चे समेत दो लोगों की मौत

बलिया (वेबवार्ता)। बलिया जिले में सर्पदंश की अलग–अलग घटनाओं में दस साल के बच्चे समेत दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर कस्बे के वार्ड नम्बर 6 में रहने वाली नाजमीन खातून (35) को बृहस्पतिवार रात सोते समय सांप ने काट लिया था और शुक्रवार को उन्हें स्थानीय सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया लेकिन अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। सर्पदंश की एक अन्य घटना में दोकटी थाना क्षेत्र के लालगंज गांव में कृष्णा (10) को शुक्रवार सुबह घर में सोते समय सांप ने काट लिया। बच्चे को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

लखनऊ। वाहिद बिरयानी ग्रुप एवं हिंदुस्तान सेवा संस्थान द्वारा लॉकडाउन से आज तक जरुरतमंदो को खाना खिलाने का काम जारी है। आज जरुरतमंदो की भोजन सेवा के 100 दिन पूरे होने पर मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली और समाजसेवी मुरलीधर आहूजा ने भोजन वैन को आशियाना से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आज भोजन वैन के द्वारा शहर के विभिन्न हिस्सों में जाकर सैकड़ो जरुरतमंदो को खाना खिलाया। इस अवसर पर मौलाना खालिद रशीद ने कहा कि वाहिद बिरयानी ग्रुप द्वारा लगातार जरुरतमंदो की निःशुल्क भोजन सेवा करना बहुत ही सराहनीय कार्य है।

फतेहपुर में पेड़ से लटका मिला युवक का शव

फतेहपुर (वेबवार्ता)। फतेहपुर जिले के गाजीपुर थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव की जंगल में शनिवार की सुबह एक युवक का शव पेड़ से फंदे से लटका मिला। युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने युवक की हत्या का अंदेशा जताया है। पुलिस उपाधीक्षक (सीओ), जाफरगंज दिनेश चंद्र मिश्र ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर सुल्तानपुर गांव में जंगल में एक पेड़ से युवक (19) का शव फंदे से लटकता मिला। उन्होंने बताया कि युवक की पहचान सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। सीओ ने बताया कि ग्रामीणों के अनुसार शव के हाथ–पैर बंधे थे, जिससे प्रतीत होता है कि युवक की हत्या कर शव फंदे से लटकाया गया होगा। मिश्रा ने कहा, ष्पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। रिपोर्ट मिलने और पहचान होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्वतंत्रता दिवस 2021 के अवसर पर दिनांक 14 एवं 15 अगस्त 2021 को आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों के निर्धारण हेतु जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर दिनांक। (सू0वि0) स्वतंत्रता दिवस 2021 के अवसर पर दिनांक 14 एवं 15 अगस्त 2021 को आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों के निर्धारण हेतु जिलाधिकारी विशाल

भारद्वाज की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि सभी कार्यक्रम पूरी गरिमा एवं उत्साह के साथ आयोजित किये जाये। उन्होंने कहा कि सभी आयोजनों में कोविड प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाये। जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि तय कार्यक्रमानुसार आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाये। इसके साथ ही उक्त आयोजन के संबंध में जारी होने वाले शासनादेश में दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी जिलाधिकारी ने दिये।

जिलाधिकारी ने अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका को निर्देश दिये कि सफाई के व्यापक प्रबंध सुनिश्चित किये जाये। इसके अतिरिक्त चिन्हित स्थलों पर सजावट इत्यादि के साथ साथ लाउडस्पीकर के माध्यम से देशभक्ति के गीत भी प्रसारित कराये जायें। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि बेसहारा जानवरों को गौ–आश्रय स्थलों में भेजने के लिये आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किये जायें। जिलाधिकारी ने कड़े निर्देश दिये कि सभी महापुरूषों की प्रतिमाओं/मूर्तियों एवं उनके आस पास के क्षेत्रों में सफाई/सजावट आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। साथ ही स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर माल्यार्पण इत्यादि के लिये भी पर्याप्त प्रबन्ध सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने निर्देश दिये कि भाषण, निबंध एवं वाद–विवाद प्रतियोगिताएं ऑनलाइन आयोजित कराये जाने हेतु आवश्यक प्रबंध किये जायें तथा विषयवस्तु का प्रसारण यूट्यूब के माध्यम से कराया जाये।

जिलाधिकारी ने आम जनमानस से अपील करते हुये कहा कि नगर की स्वच्छता के लिये सभी को सम्मिलित रूप से प्रयास करना होगा। उन्होंने सभी प्रबुद्धजनों से इस सम्बंध में व्यापक जनजागरूकता चलाये जाने की अपील भी की। जिलाधिकारी ने आशा व्यक्त की कि सभी के सहयोग से कार्यक्रम पूरी भव्यता एवं गरिमा के साथ सम्पन्न कराया जाएगा। उन्होंने बैठक में उपस्थित गणमान्य नागरिकों के सुझावों पर भी सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश भी दिये।

बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी विनय कुमार पाठक, नगर मजिस्ट्रेट पूजा मिश्रा, परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 ए0के0 सिंह, जिला आबकारी अधिकारी एस0के0 दुबे, सहित समस्त संबंधित जिला स्तरीय अधिकारीगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

Divine Heart & Multispecialty Hospital

बाल हृदय रोग ओ.पी.डी.

प्रत्येक बृहस्पतिवार

प्रात: 11:00 बजे दोपहर 2 बजे तक

डॉ. (प्रोफेसर) वी. एस. नारायन
M.D.,D.M., FRCP (London)
FESC, FSCAI

डॉ. अम्बुकेश्वर सिंह
M.D.,D.M., Cardiology

डॉ. तरुण आनन्द
M.B.B.S., M.D.(Pediatrician), FNNF
Fellowship in Neonatalogy

जन्मजात हृदयरोग के लक्षण

- नीला पड़ना (होंठ ,नाखून)
- दूध पीने में परेशानी (पसीना आना, थक जाना)
- बार - बार सर्दी जुकाम होना
- बच्चे का अत्यधिक चिड़चिड़ाना
- वजन का न बढ़ना
- पसली तेज़ चलना

इस ओ.पी.डी. में हृदय के जन्मजात रोगों के बारे में
जाँच होगी और उसके निवारण के बारे में सलाह दी जाएगी।

0522 – 2721991, 9839 012 715
www.divinehearthospital.com

Viraj Khand Institutional Area – 5,
Gomti Nagar, Lucknow. 226010

अधिकारियों की मौजूदगी में खुली बैठक कर खाद्यान्न वितरण कोटे का किया गया आवंटन

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा खुली बैठक कर खाद्यान्न वितरण कोटे की दुकान का किया गया आवंटन। बताते चलें विकासखंड पंडरी कृपाल ब्लॉक के अंतर्गत ग्रामसभा महादेवा में उप जिलाधिकारी सदर गोंडा, खंड विकास

अधिकारी पंडरी कृपाल, एडीओ पंचायत पंडरी कृपाल, हल्का लेखपाल एवं पुलिस बल के साथ पहुंचकर गांव के विद्यालय में खुली बैठक का आयोजन किया जिसमें समस्त ग्रामवासी मौजूद रहे। इस बीच उक्त गांव में कोटे की चयन को लेकर अधिकारियों द्वारा ग्राम वासियों से बातचीत कर उन्हें अधिकारियों द्वारा बताया गया। कि इस ग्राम सभा में खाद्यान्न वितरण कोटा लेने के लिए 2 लोग इच्छुक हैं इसीलिए आप लोगों से हाथ उठाकर खाद्यान्न वितरण कोटे का चयन किया जाएगा। वहीं पर मौजूद अधिकारियों ने लाइन से दोनों कोटेदार की टीमों को जो गांव के लोग थे अलग–अलग बैठा दिया गया और उसके बाद गिनती की गई कि कितने ग्रामवासी मौजूद हैं उसके बाद ग्राम वासियों से हाथ उठवाया गया। जो लोग खाद्यान्न वितरण कोटे का आवेदन किए हुए थे जिसमें श्याम प्रकाश वर्मा पुत्र रामशंकर वर्मा के पक्ष में 160 ग्राम वासियों ने हाथ उठाया। वहीं दूसरे आवेदन कर्ता राकेश कुमार यादव पुत्र रामदयाल यादव के तरफ मात्र 52 लोगों ने हाथ उठाया। इस तरह श्याम प्रकाश वर्मा को खाद्यान्न वितरण का कोटा दे दिया गया जिससे गांव के लोग भी काफी खुश हुए। इस मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकारियों के साथ पुलिस बल तैनात रही।

पलिया विधायक मा रोमी साहनी ने लगाई जनता दरबार पलिया स्थित अपने आवास पर लगाया जनता दरबार पहुँचे सैकड़ो फरियादी

अवध की आवाज ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। निघासन खीरी पलिया विधायक मा रोमी साहनी ने लगाई जनता दरबारपलिया विधायक ने 30/07/021 को पलिया इस्थित अपने आवास पर पहुंचे दूरदराज

गांव से सैकड़ों महिला पुरुष सभा में सामिल हुए जिसमे स्कूलों की भी बच्चियां शामिल थी दरियादिल विधायक ने तत्काल बच्चियों की समस्या सुन उनकी एडमिशन कराया एवं कॉपी किताब बैग की भी व्यवस्था कराई और गांव से पहुंचे पात्र लोगों को आवास ना मिलना जमीन से संबंधित मुद्दे व पलिया कोतवाली में 5 दिनों से बंद पीड़ित परिजनों का दुखड़ा सुन तत्काल पलिया कोतवाल को फोन कर निर्दोष को छोड़ने को कहा यह मामला मझगई चौकी का था ।

सीतापुर। उत्तर प्रदेश सरकार की राज्य मंत्री स्वाति सिंह पहुंची सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोविड–19 व वैक्सीनेशन सेंटर का निरीक्षण किया। कई प्रकार के दिशा निर्देश दिये।। विकास कार्यों का लिया जायजा समीक्षा बैठक की। वास्थ्य समुदायिक केंद्र खैराबाद का भ्रमण किया। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सबका साथ व सबका विकास लेकर चलती है वही बसपा जब चुनाव आता है तो वो एक पर्टिकुलर समुदाय को लेकर चलती है।

टीआई नागेंद्र प्रताप सिंह की बेटी आस्था सिंह ने 96%अंक से हायर सेकेंडरी परीक्षा की उत्तीर्ण

अपनी मेहनत के बल पर आईएएस बनने का सपना है

अवध की आवाज ब्यूरो
संवददाता अमित पांडेय

जिला सिंगरौली मध्य प्रदेश। सीबीएससी बोर्ड द्वारा घोषित कक्षा 12 हायर सेकेंडरी परीक्षा परिणाम में बरगवां थाना के निरीक्षक नागेंद्र प्रताप सिंह चौहान की बेटी आस्था सिंह चौहान ने 96 प्रतिशत अंक अर्जित कर केंद्रीय विद्यालय सिंगरौली को गौरवान्वित करते हुए अपने माता–पिता का नाम रोशन किया है। परीक्षा परिणाम में आस्था ने अंग्रेजी में 96, हिंदी में 95, हिस्ट्री में 95, भूगोल में 97, सोशलॉजी में 95 एवं फिजिकल एजुकेशन 97 अंक प्राप्त किया है। आस्था की सफलता पर केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य सुजीत सक्सेना एवं विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं सहित उनके शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

आस्था का आईएएस बनने का है सपना

आस्था ने अपनी सफलता का श्रेय माता श्रीमती संजू सिंह, पिता नागेंद्र प्रताप सिंह, विद्यालय के प्राचार्य सुजीत सक्सेना एवं शिक्षक शिक्षिकाओं को देते हुए बताया कि आगे दिल्ली

में एडमिशन ले कर पढ़ाई के साथ–साथ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) परीक्षा की तैयारी करेगी। आस्था सिंह आगे चलकर अपनी मेहनत एवं लगन से पढ़ाई करके आईएएस प्रशासनिक अधिकारी बनना चाहती हैं।

पुलिस विभाग के आला अधिकारियों ने दी बधाई

बरगवां थाना में पदस्थ निरीक्षक नागेंद्र प्रताप सिंह चौहान की बेटी आस्था सिंह चौहान की इस सफलता पर जिले के आला अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है

विधायक सुरेंद्र मैथानी ने सीएम से दिलाए जरूरतमंदों को 41.87 लाख

अवध की आवाज ब्यूरो

कानपुर। कोविड और नॉन कोविड मरीजों के इलाज के लिए 18 आवेदकों को रु41.87 लाख की मुख्यमंत्री से मिली मदद, मदद मिल जाने से आर्थिक रूप से टूटे परिवारो के लोगों में जान आ गई। धन के अभाव में रुका हुआ इलाज सुचारू रूप से चालू हो गया यह मदद गोविंद नगर कानपुर के विधायक सुरेंद्र मैथानी ने सीएम योगी से जरूरतमंदों को दिलवाई इलाज के अभाव से जूझ रहे परिजन मदद पाकर भावुक हो उठे विधायक ने अवध की आवाज के मुख्य संवाददाता कुलदीप सिंह को बताया कि मुख्यमंत्री ने उनके व्यक्तिगत आग्रह को समझा और आर्थिक मदद प्रदान कर दी उन्होंने कहा कि सभी मरीजों के लिए आवेदन पत्र व अस्पताल के एस्टीमेट लेकर व सीएम से मिले थे फिर अन्य औपचारिकताएं भी दौड़–धूप कर पूरी कराई अभी कई गंभीर रोगी ऐसे हैं। जो मदद की राह देख रहे हैं उन्हें भी जल्द से जल्द मदद पहुंचाई जाएगी।

सम्पादकीय

प्रतिकूल परिस्थिति में भी शिक्षा नीति पर प्रगति

–डॉ. दिलीप अग्निहोत्री–

राष्ट्रीय परिवेश के अनुरूप निर्मित शिक्षा नीति के एक वर्ष पूरे हुए। कोरोना संकट के कारण यह यात्रा बाधित हुई। शिक्षण संस्थाओं को महीनों तक बन्द करना पड़ा। इसके बाद भी भविष्य की आशा ध ूमिल नहीं हुई। अनेक स्तरों पर नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन संबन्धी प्रयास भी चलते रहे। प्रतिकूल परिस्थितियों में भी प्रगति हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका उल्लेख भी किया। कहा कि एक वर्ष में शिक्षाविदों ने शिक्षा नीति को ध रातल पर उतारने में कड़ी मेहनत की है। भारत की यह नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति राष्ट्र निर्माण के महायज्ञ में बड़ा योगदान देगी। बहुविषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालय देश के युवाओं के लिए नए अवसर का सृजन करेगी। यह अंतर अनुशासनात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देने के साथ भारत को अनुसंधान एवं विकास का वैश्विक हब बनाने में सहायक होगी। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली के लिए एक नई कल्पना का सूत्रपात किया है। यह एक आत्मनिर्भर भारत के निर्माण से जुड़ी दृष्टि को रेखांकित करने वाली है।

विगत एक वर्ष में देश के बारह सौ से ज्यादा उच्च शिक्षण संस्थानों ने स्किल इंडिया से जुड़े कोर्सों की शुरुआत की है। ग्यारह भाषाओं में इंजीनियरिंग की पढ़ाई संभव होगी। फिलहाल पांच भाषाओं में इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू होगी। ग्यारह अन्य भाषाओं में इंजीनियरिंग के कोर्स का अनुवाद शुरू हो चुका है। मातृभाषा में पढ़ाई से गरीबों का बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ेगा। प्रारंभिक शिक्षा में भी मातृभाषा को प्रमोट करने का काम शुरू हो गया है। किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था वहां के परिवेश के अनुकूल होनी चाहिए। इसमें उसकी भाषा,सभ्यता संस्कृति,सामाजिक मूल्यों को समुचित स्थान मिलना चाहिए। ऐसी शिक्षा नीति ही राष्ट्रीय स्वाभिमान का जागरण करती है।

अंग्रेजों द्वारा भारत में शुरू की गई शिक्षा राष्ट्रीय स्वाभिमान को हीनता में बदलने वाली थी। शिक्षा केवल बाबू बनाने के लिए होगी, तो उससे व्यक्ति समाज और राष्ट्र का अपेक्षित लाभ नहीं हो सकता। मानवीय दृष्टिकोण का भाव भी होना चाहिए। भारत में तो जीवन का अंतिम लक्ष्य मोक्ष बताया गया। उसी के अनुरूप सभी कार्यों का संदेश दिया गया। आधुनिक युग में होने वाले सकारात्मक बदलाव की स्वीकार करना अनुचित नहीं। लेकिन यह सब अपनी महान विरासत के प्रतिकूल नहीं होना चाहिए। विदेशी आक्रांताओं से कोई अपेक्षा नहीं थी। किंतु स्वतन्त्र भारत की शिक्षा नीति में परिवेश के अनुकूल परिवर्तन की उम्मीद थी। यह नहीं हो सका। वर्तमान सरकार ने इस दिशा में कदम उठाया है।

तीन दशकों बाद केंद्र में शिक्षा नाम प्रतिष्ठित हुआ। मानव संसाधन इसका विकल्प नहीं था। शिक्षा स्वयं में बहुत व्यापक अनुभूति का शब्द है। व्यक्ति समाज व राष्ट्र के सम्पूर्ण संचालन को यह प्रभावित करने वाला शब्द है। नाम में सुधार के साथ समय के अनुकूल व्यापक सुधार किए गए है। अगले दशक तक पूर्व विद्यालय से माध्यमिक स्तर तक की शिक्षा का सार्वभौमिकरण किया जाएगा। स्कूल से दूर रह रहे दो करोड़ बच्चों को फिर से मुख्य धारा में लाएगा। प्राथमिक शिक्षा में बड़े बदलाव किए जाएंगे। स्कूली पाठ्यक्रम को व्यवहारिक बनाया जाएगा। बुनियादी योग्यता को महत्व दिया जाएगा। क्लास छह से व्यावसायिक शिक्षा प्रारंभ हो जाएगी। पांचवीं कक्षा तक मातृभाषा क्षेत्रीय भाषा में पढ़ाई होगी। उच्च शिक्षा में अवसर बढ़ेंगे। इसके पाठ्यक्रम में विषयों की विविधता होगी।

ट्रांसफर ऑफ क्रेडिट की सुविधा के लिए अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट की स्थापना हो रही है। संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय अनुसंध ान फाउंडेशन की स्थापना की जाएगी। महाविद्यालयों को पन्द्रह वर्षों में चरणबद्ध स्वायत्तता के साथ संबद्धता प्रणाली पूरी की जाएगी। नई शिक्षा नीति स्कूली और उच्च शिक्षा दोनों में बहुभाषावाद को बढ़ावा देती है। पाली, फारसी और प्राकृत के लिए राष्ट्रीय संस्थान, भारतीय अनुवाद और व्याख्या संस्थान की स्थापना की जाएगी। अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट और विद्या प्रवेश सहित नए शैक्षणिक कार्यक्रमों की शुरुआत हुई है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अथवा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कार्यक्रम युवाओं को भविष्योन्मुखी बनाएगा। इससे संचालित अर्थव्यवस्था के रास्ते खोलेगा।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि दशकों से ये माहौल समझा जाता था कि अच्छी पढ़ाई के लिए विदेश जाना जरूरी है। अब स्थिति इससे उलट होगी। अच्छी पढ़ाई व श्रेष्ठ संस्थानों में दाखिले के लिए विदेशों से भारत आएंगे। नई शिक्षा नीति युवाओं की आशा आकांक्षाओं और भविष्य को ध यान में रखते हुए तैयार की गई है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

बिजली गिरने की घटनाओं में इतनी बढ़ोतरी क्यों?

–रंजना मिश्रा–

आसमान से बिजली गिरना प्राकृ तिक आपदा है, यह आपदा आजकल राजस्थान से उत्तर प्रदेश तक कई राज्यों में बेहद खतरनाक मंजर पैदा कर रही है। देश में सबसे ज्यादा मौतें बिजली गिरने से हो रही हैं। अनुमान है कि देश में हर साल 2000 से 2500 लोग आसमानी बिजली गिरने से मर रहे हैं। साल दर साल ये घटनाएं बढ़ती ही जा रही हैं। सवाल यह उठता है कि भारत में बिजली गिरने की घटनाओं में इतनी बढ़ोतरी क्यों होती जा रही है? बारिश पहले भी होती थी लेकिन पहले इतनी बिजली नहीं गिरती थी। वो भी उत्तर भारत में बिजली गिरने की घटनाएं ज्यादा बढ़ रही हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल 2019 से मार्च 2020 तक भारत में 1 करोड़ 38 लाख बार बिजली गिरी और अप्रैल 2020 से मार्च 2021 तक एक करोड़ 85 लाख बार बिजली गिरी है, यानी एक साल में 47 लाख बार बिजली गिरने की घटनाओं में वृद्धि हुई है या कह सकते हैं कि एक साल में 38ः ज्यादा बिजली गिरी है। ये आंकड़ा पिछले कई सालों से बढ़ता जा रहा है। बिजली गिरने की घटनाएं पंजाब में एक ही साल में 331ः ज्यादा हो गई, बिहार में 168ः ज्यादा हो गई, हरियाणा में 164ः और हिमाचल में 105ः ज्यादा हो गई हैं।

आसमान में बादलों के बीच ज्यादा गर्मी और ज्यादा नमी के मिलने से थंडर क्लाउड बन जाता है और इसके कारण जमीन से ऊपर आसमान में 8 से 10 किलोमीटर की ऊंचाई पर बादलों के बीच एक तूफान सा आता है। इससे बादलों के निचले हिस्से में नेगेटिव चार्ज पैदा होता है, बादलों के ऊपरी हिस्से में पॉजिटिव चार्ज होता है, इन दोनों नेगेटिव और पॉजिटिव चार्ज में दूरी कम होने पर बिजली तैयार हो जाती है। यही बिजली कंडक्टर की तलाश में धरती पर गिरती है, जिससे भयंकर नुकसान होता है। पेड़, इमारत, ऊंची पहाड़ी या टॉवर आदि आसमानी बिजली के गुड कंडक्टर बन जाते हैं और बिजली उनकी ओर खिंची चली आती है।

आसान शब्दों में हम इसे ऐसे समझ सकते हैं कि जमीन पर पानी गर्म होता है तो भाप बनती है, जो ऊपर उठकर बादल बन जाती है, यानी बादलों में पानी होता है भाप के रूप में, ये बादल नीचे से भले ही रुई के बड़े–बड़े गोले लगते हैं, लेकिन वास्तव में ये भाप के पहाड़ होते हैं। इन भाप के पहाड़ों का नीचे का हिस्सा जमीन से एक किलोमीटर ऊपर होता है और ये आसमान में लगभग 10 किलोमीटर ऊपर तक भाप से भरे होते हैं। आसमान में ऊपर लगभग –40 डिग्री सेल्सियस की ठंड होती है, इसलिए भाप ऊपर उठते–उठते बर्फ के छोटे–छोटे टुकड़ों में बदल जाती है और ये बर्फ के टुकड़े जितना ऊपर जाते हैं, उतने बड़े होते जाते हैं। यानी 10 किलोमीटर ऊंचा पहाड़ है, जो एक किलोमीटर ऊपर हवा में उड़ रहा है, उसमें नीचे भाप है, उसके ऊपर छोटी–छोटी बूंदे हैं, उससे ऊपर बर्फ के छोटे–छोटे टुकड़े हैं और उनके भी ऊपर बर्फ के मोटे–मोटे टुकड़े हैं, तो ऊपर के बड़े वाले टुकड़े बादल के अंदर ही भारी होने लगते हैं और नीचे गिरने लगते हैं, नीचे बर्फ के छोटे–छोटे टुकड़े होते हैं, जिनसे बर्फ के बड़े टुकड़े रगड़ खाने लगते हैं। बर्फ के क्रिस्टल रगड़ने से बादलों में स्पार्किंग होती है, जिससे बिजली निकलती है, ये बिजली कोई छोटे–मोटे वोल्ट की नहीं बल्कि 100 करोड़ वोल्ट से 1000 करोड़ वोल्ट तक की होती है।

घर में लगा बिजली का प्लग 220 वोल्ट का होता है। बिजली चूंकि अर्थिंग ढूंढती है यानी धरती के कोर में जाने का रास्ता ढूंढती है तो बादलों में पैदा होने वाली बिजली का कुछ हिस्सा यानी कई करोड़ वोल्ट धरती की ओर भागते हैं और बादलों से नीचे आते वक्त जो भी सबसे ऊंची चीज चाहे वह पेड़ हो या कोई ऊंची इमारत या फिर कुछ और, उसी को पकड़ लेते हैं। इसका चांस कम रहता है कि बिजली सीधा किसी आदमी पर गिर जाए, लेकिन जैसे बाथरूम के गीले फर्श पर नंगे पैर खड़े होकर जब हम बिजली का साकेट छूते हैं तो करंट लगता है, उसी प्रकार बारिश में जमीन गीली होती है और ऐसे में जब आसमान से बिजली जमीन पर गिरती है तो उसके आसपास जो लोग खड़े होते हैं वे उसके शिकार हो जाते हैं।

वैज्ञानिकों के अनुसार ग्लोबल वार्मिंग की वजह से बिजली गिरने की घटनाओं में वृद्धि हुई है। ईंध न जलाने से धरती का तापमान बढ़ा है। कोयला, पेट्रोल, डीजल जलाकर व फैक्ट्रियों की भट्ठियां जलाकर पिछले 100 सालों में हमने धरती को गर्म कर दिया है। इससे बारिश के मौसम में जमीन पर नमी रहती है, तो बादलों में स्पार्किंग होने पर बिजली को नीचे आने का रास्ता मिल जाता है, इसीलिए बिजली गिरने की घटनाएं आजकल ज्यादा हो रही हैं। यही वजह है कि जब जंगलों में आग लगने की घटनाएं होती हैं, उसके बाद भी बारिश में बिजली ज्यादा गिरती है। यह ग्लोबल वार्मिंग का बिजली गिरने की घटनाओं से रिश्ता है, अभी इस पर रिसर्च चल रही है लेकिन इतना साफ है कि ग्लोबल वार्मिंग से बिजली गिरने की घटनाएं बढ़ गई हैं।

हाल ही में उत्तर भारत में हुई बारिश के चलते लगभग 70 लोगों की जान आकाशीय बिजली गिरने से गई। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में बिजली गिरने की सबसे ज्यादा घटनाएं बिहार में हुई हैं, जिसमें एक साल के अंदर बिहार में बिजली गिरने से 401 लोगों की मृत्यु हो गई। वहीं दूसरा नंबर उत्तर प्रदेश का था, जहां बिजली गिरने से एक साल में 238 लोगों की जानें गईं। पूरे भारतवर्ष में बिजली कड़कने की घटनाओं में 34 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है।

आसमान में जब बादल गरजें, बिजली कड़के, तब यह बेहद जरूरी है कि खुले आसमान के नीचे रहने या बिजली के किसी कंडक्टर के करीब आने से बचना चाहिए। बिजली कड़कने पर सावधान हो जाना चाहिए। आंकड़े बताते हैं कि बिजली कड़कने के दौरान पेड़ के नीचे शरण लेना सबसे खतरनाक है, क्योंकि बिजली गिरने से 71ः तक मौतें पेड़ के नीचे खड़े होने वालों की हुई हैं। इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि बिजली कड़कने के दौरान पेड़ के नीचे खड़े नहीं होना चाहिए। यह देखा गया है कि बिजली गिरने से मरने वालों में 25ः या तो खेत में काम कर रहे थे, बकरियां चरा रहे थे या सड़क पर चल रहे थे। इसलिए बिजली गिरने के दौरान खुली जगहों पर ना रहें। 4 फीसदी लोगों की बिजली के अप्रत्यक्ष प्रहार से मौत हुई है, जैसे कच्चे घर या झोपड़ी के अंदर।

एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक 2001 से 2018 के बीच 42,500 लोगों की मौत बिजली गिरने से हुई है। भारत के पूर्वी हिस्से जैसे उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, झारखंड और उत्तर पूर्वी राज्य सबसे ज्यादा बिजली गिरने से प्रभावित होते रहे हैं। अधिकांश मौतों की वजह आकाश से गिरने वाली बिजली को हल्के में लेना था। बिजली गरजे तो घर में रहने में ही भलाई है, अगर घर से दूर हैं तो पहाड़ी और ऊंचे इलाकों से दूर रहें, गाड़ी में बैठे हों तो खिड़कियां बंद रखें। तालाब, झील, पानी वाली जगहों से दूर रहें। बिजली गिरने के दौरान जमीन के बल कभी ना लेटें। चट्टान के नीचे शरण ना लें। बिजली के तारों से दूर रहें। ग्रुप में हों तो अलग हो जाएं।

आमतौर पर शहरों में जो इमारतें बनाई जा रही हैं, वो बिजली गिरने से नुकसान को टाल देती हैं, लेकिन ग्रामीण इलाकों में जागरूकता की कमी दिखाई पड़ती है। यही कारण है कि बिजली गिरने से नुकसान के सिर्फ चार फीसदी मामले शहरों में होते हैं, जबकि 96 फीसदी नुकसान ग्रामीण इलाकों में होता है। इसलिए सावधानी में ही समझदारी है।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अवध की आवाज ब्यूरो

कानपुर। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए पुलिस ने लोगो को महामारी से बचने व रात्रि,शनिवार, रविवार के लॉक डाउन का पालन करने के लिए लोगो से अपील की। वही एडीसीपी अभिषेक अग्रवाल की मौजूदगी में ग्वालटोली थाना अंतर्गत नौ थानों की फोर्स के साथ सभ्रांत नागरिकों के साथ मीटिंग कर रात्रि व शनिवार रविवार लॉक डाउन के पालन करने के लिए अपील की और अगर कोई व्यक्ति लॉक डाउन का उलंघन करते पाया जाता है उसके खिलाफ कायर्वाही की जायेगी।

समारोह में सम्मानित किए गए प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्य

अवध की आवाज ब्यूरो

ढखेरवा लखीमपुर। रमिया बेहड़ के ब्लॉक सभागार में शुक्रवार को स्वागत सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान क्षेत्र पंचायत सदस्य और जिला पंचायत सदस्यों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में निधासन विधायक शशांक वर्मा ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अमित वर्मा व आयुष प्रकाश वर्मा बतौर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। स्वागत सम्मान समारोह कार्यक्रम नवागत खंड विकास अधिकारी आलोक वर्मा की देखरेख में संपन्न कराया गया। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य सुनील वर्मा, अनिल वर्मा, राकेश वर्मा, प्रधान जाबिर अली, राजेश जयसवाल, अशोक वर्मा, सुरेंद्र मोहन वर्मा उर्फ कालू, बालक राम वर्मा, लखपति पांडे के अलावा बीजेपी के कुलभूषण, जय प्रकाश विश्वकर्मा, दामोदर मौर्य, शिव भगवान सिंह, राजीव मिश्रा, सतीश चंद्र श्रीवास्तव तथा अनिल निगम समेत बड़ी तादात में पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे।

2 अगस्त के शिक्षक भतह्न आंदोलन को युवा मंच ने दिया समर्थन

97 हजार प्राथमिक शिक्षक भर्ती के वादे से मुकरने से युवाओं की नाराजगी बढ़ी–युवा मंच

लखनऊ। 97 हजार प्राथमिक शिक्षक भर्ती के मुद्दे पर एससीईआरटी लखनऊ में 2 अगस्त के आंदोलन का युवा मंच ने समर्थन करते हुए डीएलड, बीएड व बीटीसी के छात्रों को इसमें शरीक होने की अपील की है। रोजगार के मुद्दे पर 9 अगस्त ईको गार्डेन में होने वाले आंदोलन की तैयारी के सिलसिले में लखनऊ पहुंचे युवा मंच संयोजक राजेश सचान ने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों में योगी सरकार के कार्यकाल में बेशक 1.25 लाख शिक्षकों की नियुक्ति की गई है लेकिन 1.37 लाख शिक्षकों के समायोजन रद्द होने से बर्खास्त होने और रिटायर्ड शिक्षकों की तादाद नियुक्ति शिक्षकों से काफी ज्यादा है। ऐसे में योगी सरकार के सत्तारूढ़ के वक्त प्राथमिक विद्यालयों में जो डेढ़ लाख से ज्यादा का बैकलॉग था उसमें ईजाफा ही हुआ। वास्तव में प्राथमिक विद्यालयों में बैकलॉग को भरने के लिए 2016 के बाद कोई नयी भर्ती ही नहीं आयी है। शिक्षा मित्रों के समायोजन के रद्द होने के उपरांत सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जिन रिक्त हुए पदों को भरा गया है,इसमें पहले से मौजूद बैकलॉग शामिल नहीं था। न सिर्फ बेसिक शिक्षा विभाग में बैकलॉग में ईजाफा हुआ है बल्कि योगी सरकार के कार्यकाल में मोटे तौर पर आकलन के अनुसार बैकलॉग में ईजाफा हुआ है। लेकिन योगी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में 97 हजार शिक्षक भर्ती का जो वादा किया था और 51112 शिक्षक भर्ती के लिए तो बाकायदा हलफनामा दाखिल किया था, उससे मुकरने से युवाओं से युवाओं का आक्रोश चरम पर है और अगर 97 हजार प्राथमिक शिक्षक भर्ती विज्ञापन जारी नहीं किया गया तो इसका खामियाजा योगी सरकार व भाजपा को भुगतना पड़ेगा।

दरअसल प्रदेश में सरकारी आंकड़ों के अनुसार 3.44 लाख नियमित नौकरी दी गई लेकिन तकरीबन 2.5 लाख रिटायरमेंट व 1. 37 लाख शिक्षकों के समायोजन रद्द होने के परिणामस्वरूप तकरीबन 43 हजार कर्मचारी घट गये हैं। यही बात केंद्र सरकार में भी है जिसमें कार्मिक मंत्री द्वारा संसद में पेश डेटा के हिसाब से केंद्रीय विभागों में मार्च 2018 के सापेक्ष मार्च 2020 में रिक्त पदों में तकरीबन दो लाख का ईजाफा हुआ। दरअसल मोदी–योगी सरकार की नीतियों से देश व प्रदेश में बेकारी बेकाबू होती जा रही है लेकिन योगी सरकार फर्जी आंकड़ेबाजी कर युवाओं के जले में नमक छिड़कने का काम कर रही है।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। हिलौली ब्लाक में समस्त ग्राम पंचायत एवं क्षेत्र पंचायत का सम्मान समारोह का आयोजन आदरणीय ब्लाक प्रमुख दिलीप दीक्षित द्वारा किया गया जिसमें पूर्वा विधायक अनिल सिंह एवं शंकर लोधी जी एवं गुड्डू त्रिपाठी जी एवं मंडल अध्यक्ष राजन बाजपेई जी रमेश बाजपेई, राजू सिंह जी देशराज रावत पंकज मिश्रा राजोल शुक्ला आदि सभी लोग मौजूद रहे, विधायक अनिल सिंह के द्वारा ब्लाक प्रमुख हिलौली दिलीप दीक्षित के द्वारा सभी पत्रकार बंधुओं का सभी बीडीसी सभी प्रधानों सभी लोगों का सम्मान समारोह किया गया। ब्लॉक प्रमुख दिलीप दीक्षित जी के द्वारा सरकार की योजना के तहत जिम का शिलान्यास किया गया क्षेत्र के नवयुको को व्यायाम एवं स्वस्थ रहने के लिए हिलौली ब्लाक में सर्वप्रथम ब्लाक प्रमुख एवं पूर्वा विधायक जी की अध्यक्षता में शिलान्यास किया गया आए हुए सभी जनमानस एवं भाजपा के पदाधिकारी एवं मीडिया के सभी पत्रकार बंधुओं का ब्लाक प्रमुख दिलीप दीक्षित जी के द्वारा सम्मान किया गया।

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर । पुलिस ने किया बड़ा खुलासा। सीतापुर मे तालगांव अंतर्गत मदनापुर गढी में महिला और पुरुष के मिले शवो की हुई शिनाख्त। हत्यारे गिरफ्तार। पैसे की लूट बना हत्या का सबब । अभियुक्तों से मिली जानकारी के मुताबिक दोनों पति पत्नी थे और देवरिया के रहने वाले थे। चारों अभियुक्तों में लखनऊ में चिनहट निवासी शकील का उनके घर पर आना जाना था । उनके पास रु72000 थे जिसे जमा कराने के लिए शकील उनको अपने मोटरसाइकिल पर बैठा कर मदनापुर ले आया और अपने तीन साथियों की मदद से बांके से उन की निर्मम हत्या कर पैसे लूट कर चला गया। इस खुलासे के लिए अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली टीम को रु50000 के इनाम से पुरस्कृत किया गया है।

अर्थ के इस युग में हक और सम्मान की बात करती महिला कर्मचारी.....

कितनी आवश्यक है पीरियड लीव

भारत में माहवारी पर बात कम की जाती है अक्सर चर्चा महिलाओं और लड़कियों को माहवारी से जुड़े किफायती उत्पाद देने और जागरूक करने से शुरू होती है और इसी पर खत्म होती है। लेकिन आज महिलाओं की परिस्थितियां बदल गई हैं उन्हें घर और बाहर दोनों ही क्षेत्रों में कार्य करने हैं अतःसिर्फ इतने से ही काम नहीं होगा और भी बहुत कुछ करने और कहने की जरूरत है।

महिलाएं और पुरुष 'बराबर हैं पर हूबहू एक जैसे नहीं'.....प्रकृति ने जन्मजात अंतर रखते हुए हार्मोन के स्तर से बदलाव कर दिया है। जब एक लड़की अपने उम्र के आठवे से लेकर 12 वर्ष में पहुंचती है तो शायद एक असहज दर्द भरे उस एहसास से गुजरना पड़ता है पुरुष और महिला होने के प्राकृतिक अंतर से जुड़ना पड़ता है। वहां हर मां की जिम्म्मेदारी होती है कि वो अपनी बेटी के शरीर में हो रहे इस बड़े बदलाव के लिए उसे मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करे।

मासिक चक्र शुरू होने पर अक्घ्सर पेट में तेज दर्द और कई तरह की परेशानियां आती हैं जिन्ह्हें देखकर लड़कियां डर जाती हैं।ऐसे में अपनी बेटी को समझाएं और उसकी हिम्घ्म्घ्मत बढ़ाएं कि यह प्रकृति का एक नियम है जिसके लिए उसे तैयार रहना है। अक्सर पढ़े लिखे समाज की माताएं उसकी डायट में भी ऐसी चीजों को शामिल कर देती है जिनमें आयरन और फोलिक एसिड भरपूर मात्रा में हों दूध फल और पौष्टिक आहार बहुत जरूरी हो जाता है। ये सब पोषक तत्व्व आगे चलकर भी सेहतमंद रहने और हार्मोनल संतुलन के लिए फायदेमंद होते हैं। हालांकि गांव और कस्बों के स्तर पर अभी भी यह लुका छुपी का खेल ही है,माताएं ही जागरूक नहीं है। पीरियड के शुरुआत से ही लेकर जब लड़कियां अपने स्कूल में जाती हैं तो उन्हें बहुत सी तकलीफ , दर्द और असहजता के साथ अपनी कक्षाओं को सुचारू रूप से चलाना पड़ता है। माना कि टेक्नोलॉजी के युग में विभिन्न प्रकार की कंपनियों ने बहुत ही अच्छी क्वालिटी के सेनेटरी पैड उपलब्ध करा दी हैं। आज लड़कियों और महिलाओं को पहले के जमाने के कपड़ों को बार–बार बदलने, धोने और सुखाने से निजात मिल गई है। आधुनिक सेनेटरी पैड के सहारे दिनचर्या को सहजता से चलाया जा सकता है साफ सफाई और स्वास्थ्य के प्रति सजगता भी बनी रहती है। फिर भी महिलाओं के लिए माहवारी का पहला दिन असहज होता है और इस स्थिति में वे काम करने की हालत में नहीं होती हैं पर 12 वर्ष की आयु से शुरू किया गया यह दर्द ,पीड़ा और कुछ अलग दिन होने का एहसास, समाज में अपने आप को स्थापित करने, नौकरी करने तथा परिस्थितियों से लड़ने में कभी भी बाधा नहीं बना। बच्चियों ने परिस्थितियों से सामंजस्य स्थापित कर समुद्र की गहराइयों ,आकाश की ऊंचाइयों ,सेना, पुलिस ,डॉक्टर इंजीनियर, शिक्षक सभी वर्गों में अपना परचम लहराया है।

आजादी के पहले का पता नहीं ...पर हम आजादी के 75 वें वर्ष में प्रवेश करने जा रहे हैं आज भी यदि महिलाओं को पीरियड की समस्याओं के लिए दर–दर भटकना पड़े तो वाकई हास्यास्पद है।

आज की टेक्नोलॉजी के युग में यदि विभिन्न प्राइवेट कंपनियां पीरियड लीव का लॉलीपॉप महिलाओं को दें तो वाकई हास्यास्पद लगता है। प्राइवेट कंपनियों मैं महिला ज्यादा से ज्यादा काम करें इसका प्रलोभन भी हो सकता है। अब इस छुट्टी की मांग सरकारी क्षेत्र में कार्यरत महिलाएं भी करने लगी हैं।

कई प्राइवेट कंपनियों नेऑप्शनल लीव के रूप में दो दिन की पैड लीव महिला कर्मचारियों को दी है और महिला कर्मचारी जरूरी समझें तो इसका इस्तेमाल कर सकती हैं.भारत में जोमैटो ने अपनी महिला कर्मचारियों को साल में दस दिन की "पीडियस लीव्स" देने का फैसला किया है ,वैसे कल्चरल मशीनन और गोजूप जैसी कंपनियों में पहले से ही महिलाओं को पीरियड्स के पहले दिन छुट्टी लेने की अनुमति है तो सोचने का विषय है कि यदि यह छुट्टी इतनी आवश्यक थी तो विभिन्न राज्य सरकारों ने इसे प्रेगनेंसी लीव, चाइल्ड केयर लीव की तरह क्यों नहीं दिया??

प्राइवेट कंपनियों में दफ्तर में ऐसा माहौल बनाना बहुत अच्छी पहल है जहां लोग इसे लेकर शर्माएं ना, इसके बारे में बात कर सकें।लेकिन यह समय ही बताएगा कि जोमैटो की नीति एक सकारात्मक कदम है या नहीं????? और विभिन्न महिला कर्मचारियों की परिस्थितियों कार्यस्थल की सुविधाओं में कितना अंतर है। उत्तर प्रदेश स्तर पर जहां महिलाओं को अक्सर कार्यालयों में ड्रेस कोड में बांधने के बात की जाती है, वहां इस तरह की छुट्टी देकर उन्हें किस कटघरे में खड़ा किया जाएगा उसका पता नहीं??? लेकिन विभिन्न महिला संगठनों द्वारा पीरियड की मांग वर्तमान समय में एक महती आवश्यकता है। हालाकि जापान, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया और जाम्बिया जैसे देशों में "पीरियड लीव्स" दी जाती हैं पर अमेरिका और चीन में नहीं। पीरियड लीव देने से एक संभावना यह भी बनती है कि इस कदम की वजह से महिलाएं कार्यस्थल पर अकेली पड़ सकती हैं। अवसर की समानता की बात करने वाली आधुनिक युग की महिलाएं पीरियड्स में छुट्टी मांगने से कार्यस्थल पर बराबरी के लिए लड़ने वाली महिलाओं के संघर्ष कमजोर कर सकती हैं वहीं पुरुष जो समान वेतन की बात करने पर अक्सर बैंकों की लंबी कतारों में महिलाओं को लाइन से आने के बाद करते हैं, अक्सर बस में खड़ी हुई महिला के लिए सीट नहीं छोड़ते क्योंकि वहां बराबरी की बात है तो फिर विशेष छुट्टी मिलने पर क्या वह फब्तियां कसने से बाज आएंगे? क्या वाकई हम महिलाओं को कार्यस्थल में समानता और सम्मान दिला पाएंगे???

कार्यस्थल पर पीरियड्स में छुट्टी देने के कदम से महिला कर्मचारी क्या एक साथ छुट्टी पर जाने, या कब किसे छुट्टी पर जाना है यह तय कर पाना मुश्किल होगा और

इस तरह कार्य स्थल पर एक अनियमितता पैदा हो सकती है की कब किसे छुट्टी दी जाए????? जिन दफ्तरों में कई महिलाएं एक साथ काम करती हैं वहां क्या काम सुचारु रुप से चल पाएगा???

आज देश में बहुत बड़े असंगठित क्षेत्र की कर्मचारी और मजदूर महिलाये काम करती है इन महिलाओं को बच्चा होने पर छह महीने की छुट्टी, यौन शोषण से सुरक्षा,बच्चों की परवरिश का अवकाश और ऐसी दूसरी नीतियों का फायदा भी नहीं मिल पाता है। फिर भी वह बराबरी से पुरुषों के साथ काम कर रही हैं। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को तो पता भी नहीं है कि उनके अधिकार क्या हैं? इस अर्थ तंत्र में उन्हें सिर्फ मेहनत करके अपना परिवार पालना है यही काफी है। क्या पूरे देश में एक साथ पीरियड लीव दी जा सकती है? माना की हमें माहवारी से जुड़े मिथक को दूर करना होगा ,इसके बारे में एक सामान्य शारीरिक प्रक्रिया की तरह बात करनी होगी और योजना और नीतियां बनाते समय ऐसी बातों का ध्यान रखना होगा की महिलाओं को कुछ सुविधाएं मिल सकें। स्कूल और कॉलेजों में बेटियों को और कार्यस्थल में कार्यरत महिला कर्मचारियों को समय–समय पर जागरूक करना होगा और यह बताना होगा कि महावारी एक सामान्य प्रक्रिया है। फिर इसे लेकर इतनी असहजता और हाय तौबा क्यों???? जब बच्चियों का स्कूल और बेटियों का कॉलेज बंद नहीं तो फिर कार्य करने वाली महिलाओं को ही अवकाश की आवश्यकता क्यों????? माहवारी एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। महीने के ये मुश्किल भरे चार से पांच दिन महिलाओं के लिए शारीरिक एवं मानसिक रूप से थका देने वाले होते हैं, लेकिन क्या थकावट और दर्द इतना असहनीय होता है कि इसके लिए बाकायदा छुट्टी का बंदोबस्त किया जाए????? आखिर कितनी जरूरी है महिलाओं के लिए पीरियड की छुट्टी.?? माना की जिन महिलाओं को अमेनेरिया, प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम, पीसीओडी जैसी पीरियड–संबंधी बीमारियां होती हैं, उनके लिए महीने के पांच दिन बाकियों से कहीं तकलीफ भरे होते हैं पर डॉक्टर की सलाह पर कुछ दवाइयां लेकर असहनीय दर्द से निजात पाया जा सकता है। इन विशेष परेशानियों में महिलाओं को आराम करने की छूट देने का समर्थन करना चाहिए । निश्चित रूप से ऐसे मौकों पर पीरियड लीव मददगार साबित हो सकती है। आज महिलाओं के पास विकल्प नहीं होने के कारण दर्द झेलना पड़ जाता है। पर यदि इसे नॉर्मल प्राकृतिक प्रक्रिया माना जाए तो कुछ भी असहज नहीं है जब बच्चियां इस दौर से गुजर कर अपनी पढ़ाई लिखाई और अन्य कार्य को कर सकती हैं तो फिर कार्यरत महिलाएं क्यों नहीं?

पहले पीरियड, फिर प्रेग्नेंसी, औरतों के बारे में ये मिथ पहले से ही है कि वो पुरुषों से कम प्रोडक्टिव होती हैं, ऐसे में प्रेग्नेंसी और पीरियड.. पुरुषवादी मानसिकता वाले समाज को एक नया बहाना दे देते हैं, कुछ भी करके औरतों के काम को कम आंकने का.... .....पीरियड में दर्द होने पर लीव लेना समस्या क्यों है। जब बुखार या चोट लगने पर लीव लेना समस्या नहीं हैं सामान्य अवकाश को सभी के लिए बढ़ाया जा सकता है और आवश्यकता अनुसार महिलाएं अपने कार्यस्थल की सुविधा अनुसार उसे ले सकते हैं।पुलिस, शिक्षा, चिकित्सा, डॉक्टर ,इंजीनियर जैसे संगठित क्षेत्र हो या असंगठित क्षेत्र फिजिकल परेशानिया महिलाओं के साथ रहेगी और इनके साथ ही उन्हें नौकरी इत्यादि करनी होगी ।इसके लिए महिलाएं पहले से ही मानसिक रूप से और शारीरिक रूप से तैयार रहती हैं फिर आज छुट्टी की मांग क्या काम से जी चुराना है या अपनी क्षमताओं को कम आंकना। जो महिला पीरियड के दिनों में भी अपने घर के सभी कामों अपने बच्चों की परवरिश जैसे सभी कामों को करती है, घर में घंटों का अनपेड लेबर करती है, वह महिला शारीरिक रूप से सक्षम है अपने कार्यस्थल पर भी इस दौरान कार्य करने के लिए.....।

एक तरफ हम बात महिला सशक्तिकरण की करते हैं एक तरफ हम बताते हैं कि महिलाएं किसी भी मुद्दे पर पुरुष की बराबरी कर सकती हैं माना कि शारीरिक रूप से हार्मोन रूप से कुछ ज्यादा कष्ट महिलाओं को सहना पड़ता है कुछ महिलाओं को इस दौरान कुछ ज्यादा ही दर्द और तकलीफ को झेलना पड़ता है कई महिलाएं जोकि शिक्षक के रूप में दूरदराज के गांवों में तैनात हैं उन्हें इस दौरान कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि उन्हें लंबा सफर सार्वजनिक संसाधनों से तय करना पड़ता है और विद्यालय के आस पास भी कोई टॉयलेट उपलब्ध नहीं होती।

कई दफ्तरों में सामूहिक टॉयलेट होने की वजह से महिलाओं को इस दौरान दिक्कत हो सकती है

आज सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि हम कार्यस्थल की दिक्कतों को दूर नहीं कर पा रहे हैं तो आजादी के 75 वर्ष बाद किस बात का पर्व मना रहे हैं????

यदि आज भी गांव के दूर–दराज के विद्यालयों में काम करने वाली महिलाओं को टॉयलेट नहीं उपलब्ध करा पा रहे हैं तो विकास के किस कीर्तिमान की बात की जा रही है???? सक्षम अधिकारी और सरकारें विचार करें.३.३...

निश्चित रूप से हम यह सब उपलब्ध नहीं करा पाए हैं। आज भी बहुत से सरकारी सेवाएं और बहुत से असंगठित क्षेत्र ऐसे हैं जहां अक्सर महिलाओं को पीरियड के दौरान शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है क्योंकि हम कागजी बातें तो करते हैं कि हर गांव और मोहल्ले में टॉयलेट है पर बड़े–बड़े शहरों पर भी महिलाओं के लिए इस दौरान टॉयलेट और पैड चेंज करने की व्यवस्था नहीं हो पाती अतः आज के समय की माहिती आवश्यकताएं हैं कि विषम परिस्थितियों में काम करने वाली महिलाओं को या तो मूलभूत सुविधाएं दी जाए या सुविधाओं के अभाव में इस असहजता पूर्ण पीरियड के दिनों का स्वैच्छिक अवकाश देने की छूट दी जाएं....३३३.. क्योंकि समानता की बात करने वाले हम आज उसी समाज में रहते हैं जहां हर दीवाल की आड़ में या सड़कों के किनारे अक्सर पुरुष टॉयलेट खुले मिलेंगे पर महिला घर से निकल कर वापस घर में आकर ही..३..... अतः आज महिला कर्मचारी के रूप में कार्यरत महिलाएं हक के साथ सम्मान चाहती हैं फिर वह मूलभूत आवश्यकता के रूप में एक अदद टॉयलेट हो या पीरियड लीव। दोनों में से एके को पाना सम्मान और हक की लड़ाई।

/रीना त्रिपाठी
राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ

कश्मीर में एनआईए ने मारा छापा

जम्मू, (वेबवार्ता)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सुंजवान से बरामद हुए शक्तिशाली विस्फोटक उपकरण तथा लश्कर ए–मुस्ताफा समूह के दो आतंकवादियों की गिरफ्तारी के संबंध में शनिवार को जम्मू और कश्मीर में छापेमारी की। खुफिया विभाग से जुड़े सूत्रों ने बताया कि एनआईए की टीमों ने शनिवार तड़के आरसी–01/21/एनआईए/जेएमयू (कुंजवानी मामला) और 04/21/एनआईए/जेएमयू (भटिंडी आईईडी रिकवरी मामला) मामलों में औचक छापेमारी की। सूत्रों कहा, "दो अगल–अलग मामलों को लेकर जम्मू–कश्मीर में छापेमारी हो रही है। एक मामला 27 जून को जम्मू से आईईडी की बरामदगी का है तथा दूसरा लश्कर ए–मुस्ताफा के आतंकवादियों की गिरफ्तारी का है। सूत्रों के मुताबिक जम्मू क्षेत्र में सुंजवान (जम्मू शहर) और बनिहाल (रामबन) में छापेमारी की जा रही है, जबकि कश्मीर क्षेत्र में शोपियां और अनंतनाग में छापेमारी की जा रही है। उल्लेखनीय है कि पुलिस ने 27 जून को सुंजवान में नारवाल के पास से हथियार, गोलाबारूद तथा पांच किलोग्राम आईईडी के साथ एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया था। इस ने गिरफ्तारी शहर में बड़े आतंकवादी वारदात को अंजाम देने की कोशिश विफल हो गयी। इसके बाद एनआईए की टीम ने 22 जुलाई को लश्कर ए–मुस्ताफा समूह के दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था।

जम्मू–कश्मीर के राजौरी में आईईडी को निष्क्रिय किया गया, आतंकवादियों की तलाश जारी

जम्मू, (वेबवार्ता)। जम्मू–कश्मीर के सीमावर्ती राजौरी जिले में शक्तिशाली आईईडी का समय रहते पता चलने और उसे निष्क्रिय कर देने से शनिवार को एक बड़ा हादसा टल गया। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू–राजौरी राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैथूनी–दिलोगरा में एक पुलिया के नीचे संदिग्ध आतंकवादियों द्वारा विस्फोटक लगाया हुआ मिला जिसे सेना के बम निष्क्रिय दस्ते ने सुबह नौ बजकर 10 मिनट पर निष्क्रिय कर दिया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों के सड़क मुआयना दल (आरओपी) द्वारा आईईडी का पता चलने के बाद करीब तीन घंटे तक इस महत्त्वपूर्ण मार्ग पर यातायात रुका रहा। अधिकारियों ने बताया कि समझा जाता है कि आतंकवादियों ने रात के अंधेरे का फायदा उठाते हुए रात में विस्फोटक लगाया। साथ ही बताया कि धमाके की साजिश रचने वाले आतंकवादियों को पकड़ने के लिए बड़ा तलाश अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि विशेषज्ञों ने आईईडी को सड़क से हटाकर पास के जंगल में फेंक दिया और बाद में बिना किसी नुकसान के नियंत्रित विस्फोट में इसमें धमाका कर इसे नष्ट किया गया।

पुलवामा मुठभेड़: सुरक्षा बलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया

श्रीनगर, (वेबवार्ता)। जम्मू–कश्मीर के पुलवामा में सुरक्षा बलों ने शनिवार को तड़के मुठभेड़ में दो अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया। पुलिस प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि पुलवामा के नागबेरन–तरसार त्राल में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना मिलने पर राष्ट्रीय राइफल तथा जम्मू–कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान दल तथा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों के जवान जब जंगल की ओर बढ़ रहे थे, तो वहां छुपे हुए आतंकवादियों ने स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षा बलों के जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई में गोलियां चलाईं। उन्होंने बताया कि दचिगाम जंगल क्षेत्र में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। सुरक्षा बलों का अभियान अभी भी जारी है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के विरुद्ध एफआईआर कराने वाले एसआई का स्थानान्तरण

लखनऊ, (वेबवार्ता)। हजरतगंज थाना क्षेत्र के जीपीओ पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने कांग्रेस के मौन धरना के बाद प्रदेश अध्यक्ष अजय लल्लू सहित तीन अन्य लोगों के विरुद्ध नामजद एफआईआर कराने वाले एसआई गिरीजेश गिरी का स्थानान्तरण हो गया है। हजरतगंज थाना अंतर्गत सचिवालय पुलिस चौकी के चार्ज में रहते हुए एसआई गिरीजेश गिरी ने जीपीओ पार्क में मौन धरना से धारा 144 का उल्लंघन एवं कोविड अधिनियम का उल्लंघन करने पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय लल्लू, तीन अन्य नामजद और पांच सौ अज्ञात लोगों के विरुद्ध हजरतगंज थाने में तहरीर देकर एफआईआर दर्ज करायी थी। 17 जुलाई को लिखी गयी एफआईआर के बाद मामले की विवेचना चल ही रही थी, तभी एसआई गिरीजेश गिरी का लखनऊ जोन से कानपुर जोन स्थानान्तरण कर दिया गया। एसआई गिरीजेश गिरी लम्बे समय तक आलमबाग थाना क्षेत्र के विभिन्न पुलिस चौकियों पर रहे। मीडियाकर्मियों के द्वारा उन पर आरोप लगाये जाने के बाद पुलिस कमिश्नरेट से गिरीजेश गिरी को हजरतगंज थाना से अटैच कर दिया गया था। हजरतगंज थाना से अटैच गिरीजेश कांग्रेस के मौन धरने वाले दिन सचिवालय चौकी इंचार्ज के छुट्टी पर चले जाने के बाद चौकी के चार्ज को देख रहे थे। बता दें कि कांग्रेस की महासचिव प्रियंका वाड्रा के कार्यक्रम के दौरान तमाम कांग्रेस के नेताओं ने जीपीओ पहुंचकर गांधी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया था। इसके बाद तय कार्यक्रम के अनुसार प्रियंका को कांग्रेस मुख्यालय जाना था लेकिन उन्होंने गांधी प्रतिमा के सामने मौन धरना शुरु कर दिया था। जिसमें कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष लल्लू सहित वरिष्ठ नेताओं ने सहभागिता की थी।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव के कुशल निर्देशन में दिनांक 31.07.2021 को पति पत्नी के दो विवादित जोड़ों को थाना कोतवाली सदर स्थित महिला हेल्प डेस्क में बुलाया गया ।परामर्शदाता अबरार हुसैन, डॉक्टर आशीष श्रीवास्तव, डॉ मनीष सिंह सेंगर व सरला श्रीवास्तव की उपस्थिति दोनो जोड़ों की आपस में परस्पर वार्ता कराते हुए उनकी समस्याओं का निराकरण कराया गया, जिससे दोनो जोड़े साथ रहने को राजी हुए। तत्पश्चात दोनो जोड़ों की सकुशल कराई गई। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह थाना कोतवाली सदर ,व0उ0नि0 सुधाकर सिंह, म0आ0 विनिमय गौतम व शिखा यादव का विशेष योगदान रहा। विदा होने वाले जोड़ों के नाम क्रमशः जूही पत्नी प्रांशू व निशा पत्नी शिवेन्द्र हैं।

सरकार बनते ही बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं होंगी फ्री- ओमप्रकाश राजभर

सुरेश कुमार तिवारी
अवध की आवाज

कहोबा चौराहा गोंडा। शनिवार को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि हमारी सरकार बनते ही प्रदेश के लोगों को बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य की सेवाएं निशुल्क मिलेंगी। कार्यकर्ता बैठक को संबोधित करते हुए सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने बीजेपी सरकार पर जमकर निशाना साधा। पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए ओपी राजभर ने कहा कि प्रदेश में योगी केन्द्र मोदी जैसा झूठा कोई नहीं है केन्द्र व प्रदेश की

सरकार झूठी है मंहगाई पर निशाना साधते हुए कहा कि सरसों का तेल, डीजल पेट्रोल व गैस सिलेंडर के दामों ने आसमान छू लिया है। शनिवार को सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने गोंडा के गौरा विधानसभा क्षेत्र के एम यू चौधरी इंटर कॉलेज घारीघाट में आकस्मिक कार्यकर्ता बैठक के दौरान यह सारी बातें कही। इस मौके पर प्रदेश महासचिव तुलसीराम राजभर, प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद राजभर जिलाध्यक्ष राधेश्याम उर्फ पप्पू राजभर, जिला महासचिव नरसिंह राजभर,उमाशंकर राजभर, रामनिवास राजभर, नन्हे राजभर, रामफेर राजभर सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अवध की आवाज ब्यूरो

दिनांक 31.07.2021 को पुलिस अधीक्षक उन्नाव एवं अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी नगर द्वारा पुलिस लाइन में अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए 07 पुलिसकर्मियों व 01 वार्डब्वाय कर्मचरी को उपहार भेंट कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुये भावभीनी विदाई दी गई।

नगर निगम परिसीमन के बाद शामिल गांवो में विकास कार्यों और देख रेख में नगर निगम की हिला हवाली

अवध की आवाज

लखनऊ। नगर निगम परिसीमन के बाद शामिल गांवो में विकास कार्यों और देख रेख में नगर निगम की हिला हवाली दिखाई दे रही है। यह गाँव पंचायतीराज राज विभाग से अलग होने के बाद से विकास और सफाई कराने की राह देख रहे हैं। लेकिन लापरवाह अधिकारी कुर्सी पर बैठकर हीला हवाली करते दिखाई दे रहे हैं। ऐसे ही अधिकारियों की लापरवाही की वजह से आईआईएम रोड पर स्थित कैरियर डेंटल के सामने मौजूद मानखेडा गांव में सड़क, सफाई, विकास और स्ट्रीट लाइट का काम बिल्कुल नहीं हुआ है। रात के समय में लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं और कीचड़ पानी में निकलने को मजबूर हैं। नगर निगम **Zone** 3 में जोनल अधिकारी राजेश सिंह इस पूरे मामले को जानते हुए किसी के द्वारा शिकायती पत्र मिलने का इंतजार कर रहे हैं। अगर ऐसे में अधिकारी किसी की शिकायत पर ही काम करेगा तो फिर अधिकारी अपने मन और विवेक से क्या काम करेगा।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।